महाभारत भाषा

शल्य और गदापर्व

जिसमें शल्यके सेनापतित्व में कौरवों का
पाण्डवों से युद्ध और भीमसेन के
हाथ से जंघा टूटने पर दुर्योधन
का मरण वर्णित है।

भार्गवश्रेष्ठ मुंशी नवलकिशोर सी. आई. ई., की आज्ञा से
पण्डित कालीचरण गौड़ ने संस्कृत से अनुवाद किया।

तीसरी बार

लखनऊ
सुपरिंटेंडेंट बाबू मनोहरलाल भार्गव बी. ए., के प्रबन्ध से
मुंशी नवलकिशोर सी. आई. ई., के छापेखाने में छपा।
सन् १९१५ ई०।